भारत का पहला फ्रेट विलेज

चर्चा में क्यों?

प्रधानमंत्री ने वाराणसी में कई प्रमुख बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं की आधारशिला रखी, जिनमें एक **जहाज मरम्मत सुविधा** और **भारत का पहला फ्रेट विलेज** भी शामिल हैं। ये परियोजनाएँ 'समुद्र से समृद्धि' पहल के तहत विकसित की जा रही हैं, जिसका उद्देश्य जल परिवहन को बढ़ावा देना तथा **रोज़गार सृजन** करना है।

- उन्होंने 'मेक इन इंडिया' के दृष्टिकोण के अनुरूप अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने और रोज़गार सृजन में जलमार्गों की भूमिका पर भी प्रकाश डाला।

मुख्य बिंदु

- **भारत का पहला फ्रेट विलेज:**
  - चंदौली ज़िले के **मिल्कीपुर** में 100 **हेक्टेयर** से अधिक क्षेत्र में विकसित यह फ्रेट विलेज एक आधुनिक **लॉजिस्टिक्स केंद्र** के रूप में कार्य करेगा। यह विभिन्न **परिवहन साधनों** को जोड़कर सुगम और सुलभ **माल परिवहन** सुनिश्चित करेगा।
  - यह परियोजना **हल्दिया, पटना, कोलकाता** और **काशी** को **पर्यावरण अनुकूल मालवाहकों** से जोड़ेगी, जिससे सड़क तथा रेल परिवहन की तुलना में **लागत में लगभग 50% की बचत** होगी।
- **भारत की पहली ड्राई-डॉक सुविधा:**
  - वाराणसी के **रामनगर** में गंगा नदी के किनारे स्थित यह **ड्राई-डॉक** भारत की पहली ऐसी सुविधा है, जो एक साथ चार **जहाजों की मरम्मत** करने में सक्षम होगी।
  - इससे **मरम्मत का समय और खर्च** दोनों कम होंगे, **क्षेत्रीय विकास** को बढ़ावा मिलेगा तथा **पूर्वांचल के युवाओं** के लिये **स्थायी रोज़गार** के अवसर सृजित होंगे।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/indias-1st-freight-village